भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
05.08.2026 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2946 का उत्तर

पश्चिम बंगाल में आरओबी और सब-वे

2946. डॉ. शर्मिला सरकार:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वित्तीय वर्ष 2025-2026 में पश्चिम बंगाल में कुल कितने नए रेल उपरिगामी पुल (आरओबी) और सब-वे स्वीकृत किए गए हैं;

(ख) उक्त राज्य के पूर्व बर्धमान जिले में सड़क उपरि पुलों/सब-वे की अवस्थिति का ब्यौरा क्या है;

(ग) दिसम्बर, 2022 में उक्त योजना के शुरू होने के बाद से अब तक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र, स्टेशन और वर्ष-वार कितने अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) स्वीकृत और पूरे किए जा चुके हैं; और

(घ) क्या पश्चिम बंगाल में विशेषकर पूर्व बर्धमान जिले में उक्त योजना के अंतर्गत स्टेशनों का उन्नयन किया जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): भारतीय रेल में समपारों (एलसी) के स्थान पर ऊपरी सड़क पुलों/निचले सड़क पुलों (आरओबी/आरयूबी) के निर्माण कार्यों की स्वीकृति प्रदान करना सतत और गतिशील प्रक्रिया है। ऐसे कार्यों को गाड़ी परिचालन में संरक्षा, गाड़ियों की गतिशीलता और सड़क उपयोगकर्ताओं पर इसके प्रभाव तथा व्यवहार्यता आदि के आधार पर प्राथमिकता निर्धारित करके शुरू किया जाता है।

वर्ष 2004-14 की तुलना में वर्ष 2014-26 (मई 2026 तक) की अवधि के दौरान भारतीय रेल में निर्मित किए गए ऊपरी सड़क पुलों/निचले सड़क पुलों (आरओबी/आरयूबी) की संख्या निम्नानुसार है:

अवधि	निर्मित किए गए आरओबी/आरयूबी
2004-14	4,148 अदद
2014-26 (मई 2026 तक)	14,451 अदद (पश्चिम बंगाल राज्य में 547 अदद)

दिनांक 01.06.2026 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में लगभग 1,17,492 करोड़ रु. की लागत से 4,993 अदद ऊपरी सड़क पुलों/निचले सड़क पुलों के निर्माण कार्यों को स्वीकृत किया गया है, जिनमें से पश्चिम बंगाल राज्य में लगभग 8,060 करोड़ रु. की लागत से 363 अदद ऊपरी सड़क पुलों/निचले सड़क पुलों के निर्माण कार्य शामिल हैं, जो योजना और निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं। इनमें से पूर्बा बर्धमान जिले में लगभग 1387 करोड़ रु. की लागत से 66 अदद ऊपरी सड़क पुलों/निचले सड़क पुलों के निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं, जो योजना और निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं।

अब तक पूर्व बर्धमान जिले में 04 अदद ऊपरी सड़क पुल और 44 अदद निचले सड़क पुल मौजूद हैं।

ऊपरी सड़क पुलों/निचले सड़क पुलों के निर्माण कार्यों को पूरा करना और कमीशनिंग करना कई कारकों पर निर्भर करता है, जैसे समपार समाप्त करने के लिए सहमति देने में राज्य सरकारों का सहयोग, पहुंच मार्ग संरेखण का निर्धारण, सामान्य व्यवस्था आरेख (जीएडी) की स्वीकृति, भूमि अधिग्रहण, अतिक्रमण हटाना, अतिलंघनकारी उपयोगिताओं को स्थानांतरित करना, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक मंजूरी, परियोजना/कार्य स्थलों के क्षेत्र में कानून और

व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों आदि के कारण किसी विशिष्ट परियोजना/क्षेत्र के लिए एक वर्ष में कार्य अनुकूल अवधि आदि। ये सभी कारक परियोजनाओं/ निर्माण कार्यों के समापन समय को प्रभावित करते हैं।

इसके अलावा, रेलवे ने कार्यों की प्रगति में तेजी लाने के लिए निम्नलिखित उपाय किए हैं:

i. **सामान्य व्यवस्था आरेख (जीएडी) को अंतिम रूप देने से पहले संबंधित राज्य सरकार/सड़क स्वामित्व प्राधिकरण के साथ संयुक्त सर्वेक्षण को पूरा किया गया है ताकि सुचारू निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके।**
ii. **ऊपरी सड़क पुलों/निचले सड़क पुलों के निर्माण कार्यों से संबंधित विभिन्न मुद्दों का समाधान करने के लिए रेलवे और राज्य सरकार के पदधारियों की आवधिक बैठकें आयोजित की जाती हैं।**
iii. **डिज़ाइन अनुमोदन के दौरान विलंब से बचने के लिए रेलवे के भाग के कार्यों पर सड़क के स्पैन, विषमतलीयता और चौड़ाई के विभिन्न संयोजनों के लिए अधिसंरचना और उपसंरचना आरेखों का मानकीकरण किया गया है। इसे एक सार-संग्रह के रूप में जारी किया गया है, जिसे त्वरित योजना बनाने हेतु रेल लाइनों पर ऊपरी सड़क पुलों के निर्माण के लिए प्रत्यक्ष रूप से अपनाया जा सकता है।**

<u>अमृत भारत स्टेशन योजना:</u>

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास हेतु अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में भारतीय रेल के रेलवे स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणबद्ध रूप में उनका कार्यान्वयन करना शामिल हैं। मास्टर प्लान बनाने में प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित कार्य शामिल किए गए हैं:

- रेलवे स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार
- रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण
- रेलवे स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, वाटर-बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पुल/भूमिगत पैदल पार पथ का प्रावधान
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैम्प का प्रावधान
- प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर का प्रावधान
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान
- पार्किंग क्षेत्र का विकास
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- एयर कॉनकोर्स, एक्ज़ीक्यूटिव लाउंज, यातायात के साधनों का एकीकरण, भुसुदर्शनीकरण आदि की व्यवस्था।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता और व्यवहार्यता के अनुसार संवहनीय और पर्यायवरण अनुकूल समाधानों आदि तथा दीर्घकालिक आधार पर स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की परिकल्पना की गई है।

अब तक, इस योजना के अंतर्गत विकास के लिए 1340 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से पूर्बा बर्धमान जिले के अंबिका कालना, बर्धमान और कटवा जंक्शन सहित 102 स्टेशन पश्चिम बंगाल में स्थित हैं। पश्चिम बंगाल में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नलिखित हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
पश्चिम बंगाल	102	आद्रा, अलीपुरद्वार जं., अलुआबारी रोड, अंबिका कालना, अनारा, अण्डाल जं., अंदुल, आसनसोल जं., अजीमगंज, बगनान, बल्ली, बालुरघाट, बंदेल जं., बनगांव जं., बांकुरा, बाराभूम, बारासात, बर्धमान, बैरकपुर, बेल्दा, बरहामपुर कोर्ट, बेथुयादाहारी, भालुका रोड, बिन्नागुड़ी, बिष्णुपुर, बोलपुर शांतिनिकेतन, बर्नपुर, कैनिंग, चंदन नगर, चांदपारा, चंद्रकोना रोड, दलगांव, दलखोला, दनकुनी, धुलियन गंगा, धुपगुड़ी, दीघा, दिनहाटा, दमदम जं., फालाकाटा, गरबेटा, गेडे, हल्दिया, हल्दीबाड़ी, हरिश्चंद्रपुर, हासीमारा, हिजली, हावड़ा जं., जलपाईगुड़ी, जलपाईगुड़ी रोड, जंगीपुर रोड, झालिदा, झारग्राम, जॉयचंडी पहाड़ जं., कालियागंज, कल्याणी, कल्याणी घोषपारा, कामाख्यागुड़ी, कटवा जं., खगराघाट रोड, खड़गपुर जं., कोलकाता, कृष्णनगर सिटी जं., कुमेदपुर जं., मधुकुंडा, मध्यमग्राम, मालदा कोर्ट, मालदा टाउन, मेचेदा, मेदिनीपुर (मिदनापुर), नवद्वीप धाम, नैहाटी जं., न्यू अलीपुरद्वार, न्यू कोच बिहार, न्यू फरक्का जं., न्यू जलपाईगुड़ी जं., न्यू माल जं., ओंडाग्राम, पानागढ़, पांडबेश्वर, पंसकुरा जं., पुरुलिया जं., रामपुरहाट जं., राणाघाट, सैंथिया जं., सालबोनी, समसी, सांतरागाछी, सियालदह, शालीमार, शांतिपुर, श्योरफुली जं., श्रीरामपुर, सिलीगुड़ी जं., सीतारामपुर, सिउरी, सोनारपुर जं., सुईसा, तामलुक, तारकेश्वर, तुलिन, उलुबेरिया

<u>अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पश्चिम बंगाल के स्टेशन जिनका कार्य पूरा कर लिया गया है:</u>

पश्चिम बंगाल में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं। पश्चिम बंगाल में उन स्टेशनों के नाम जहां कार्य पूरा हो गया है, निम्नलिखित है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
पश्चिम बंगाल	13	अनारा, बाराभूम, दीघा, गड़बेता, हल्दिया, हल्दीबाड़ी, जलपाईगुड़ी रोड, जॉयचंडी पहाड़ जं, कल्याणी घोषपाड़ा, कामाख्यागुड़ी, पानागढ़, सिउरी, तामलुक

पश्चिम बंगाल के अन्य स्टेशनों पर भी विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं और कुछ स्टेशनों पर कार्यों की प्रगति निम्नानुसार है:

पश्चिम बंगाल में पूर्बा बर्धमान जिले के रेलवे स्टेशन:

- **अम्बिका कालना स्टेशनः दूसरे प्रवेश द्वार पर नए स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य, प्लेटफॉर्म की सतह और प्लेटफॉर्म शेल्टशरों का सुधार संबंधी कार्य पूरा कर लिया गया है। मुख्य प्रवेश द्वार पर नए स्टेशन भवन, नया शौचालय ब्लॉक, 12 मीटर चौड़े ऊपरी सड़क पुल और दूसरे प्रवेश द्वार पर स्टेशन भवन का परिष्करण कार्य शुरू कर दिया गया है।**
- **बर्धमान स्टेशनः दूसरे प्रवेश द्वार पर नए स्टेशन भवन, प्रवेश बरामदा, प्रतीक्षालय, बुकिंग काउंटर, शौचालय, प्लेटफॉर्म की सतह और प्लेटफॉर्म शेल्टर में सुधार संबंधी कार्य पूरा कर लिया गया है। 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल और परिचलन क्षेत्र में सुधार का काम शुरू किया गया है।**

- **कटवा जंक्शन स्टेशनः प्लेटफार्म की सतह और प्लेटफार्म शेल्टर का सुधार संबंधी कार्य पूरा कर लिया गया है। स्टेशन भवन, प्रवेश बरामदा, प्रतीक्षालय का सुधार, शौचालय और बुकिंग काउंटर संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

पश्चिम बंगाल के अन्य रेलवे स्टेशन:

- **आसनसोल जंक्शन स्टेशन: दक्षिण विंग की नई स्ट्रेशन बिल्डिंग ब्लॉक नम्बर 4, उत्तरी विंग के बिल्डिंग ब्लॉक 1, 2 और 3 का संरचनात्मक कार्य पूरा कर लिया गया है। दक्षिण विंग की नई स्टेंशन बिल्डिंग ब्लॉक नम्बर 3 का संरचनात्मक कार्य, 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदली पुल और एयर कॉनकोर्स के कार्य शुरु कर दिए गए हैं।**
- **न्यू जलपाईगुड़ी जंक्शन स्टेशनः दूसरे प्रवेश द्वार पर नए स्टेशन भवन, रेल मेल सेवा कार्यालय भवन और चौथे तल तक नए प्रस्थान स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य पूरा कर लिया गया है। मुख्य प्रवेश द्वार पर नए आगमन स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य, नए प्रस्थान स्टेशन भवन की पांचवीं और छठी मंजिल का संरचनात्मक कार्य, पोडियम पार्किंग, एलिवेटेड रोड और एयर कॉनकोर्स का काम शुरू कर दिया गया है।**
- **अलुआबारी रोड स्टेशनः प्लेटफॉर्म नं. 2 के विस्तार का कार्य, प्लेटफॉर्म नं. 1 एवं 2 पर प्लेटफॉर्म सतह का सुधार, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, पहुँच मार्ग और चहारदीवारी का कार्य पूरा कर लिया गया है। 12 मीटर चौड़ा ऊपरी पैदल पुल, नया स्टेशन बिल्डिंग ब्लॉक और प्लेटफार्म शेल्टर के सुधार का कार्य शुरू कर दिया गया है।**
- **बरहमपुर कोर्ट स्टेशनः प्लेटफॉर्म नं. 1 और 2/3 में प्लेटफॉर्म शेल्टरों का कार्य और प्लेटफॉर्म नंबर 2/3 पर प्लेटफॉर्म सतह का सुधार संबंधी कार्य पूरा कर लिया गया है। प्लेटफॉर्म नं. 4/5 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर का निर्माण कार्य, प्लेटफॉर्म नम्बर 1 पर प्लेटफार्म सतह का सुधार, बुकिंग काउंटर और 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल का काम शुरू कर दिया गया है।**

- **न्यू फरक्का जंक्शन स्टेशनः स्टेशन भवन के सुधार संबंधी कार्य, प्रतीक्षालय, शौचालय, प्रवेश बरामदा, संकेतक और रेलगाड़ी संकेत बोर्ड की संस्थापना के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। परिचलन क्षेत्र और पार्किंग के सुधार के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

इसके अलावा, भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों पर विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य आवश्यकता, परस्पर प्राथमिकता और निधि की उपलब्धता के अध्यधीन शुरू किए जाते हैं। रेलवे स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्य स्टेशन की कोटि/स्थिति/सम्हाले जाने वाले यातायात आदि के आधार पर किए जाते हैं।

******